DAINIK BHASKAR, Surat, 6.6.2021
Page No. 2, Size:(21.33)cms X (18.19)cms.

बुलेट ट्रेन 10 जगहों पर ओपन पाइलिंग फाउंडेशन का काम पूरा, अगले महीने से बनने लगेंगे पिलर

दूसरी लहर पड़ी धीमी, काम तेज

रूट बनाने में 350 मशीनें, 1850 लोग जुटे, पिलर फाउंडेशन का काम शुरू

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

वापी से वडोदरा तक 237 किमी रूट में सूरत से वलसाड तक अलाइमेंट चल रहा

कोरोना की दूसरी लहर धीमी पड़ते ही बुलेट ट्रेन के काम ने रफ्तार पकड़ ली है। 508 किमी लंबे इस मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के वापी से वडोदरा के बीच 237 किमी लंबे रूट निर्माण के लिए 350 हैवी मशीनें और 1850 लोगों को लगा दिया गया है। अब तक 600 लोकेशन पर जियोटेक्नीकल टेस्ट, 4 लोकेशन पर टेस्ट पाइल कास्टिंग, 27 लोकेशन पर पाइलिंग वर्क, 10 लोकेशन पर ओपन पाइल फाउंडेशन का काम पूरा कर लिया गया है। सूरत के चौर्यासी तालुका के वकताना गांव के पास पिलरिंग और फाउंडेशन के लिए मिट्टी की जांच का काम पूरा हो चुका है। पाइलिंग का काम जारी है।

बुलेट ट्रेन परियोजना का शिलान्यास वर्ष 2017 में हुआ था। शिलान्यास के लगभग तीन साल बाद इस परियोजना का काम शुरू किया गया। अब बुलेट ट्रेन के एलिवेटेड कॉरिडोर की अलाइनमेंट दिखनी शुरू हो गई है। सूरत से वलसाड तक इसका अलाइनमेंट का काम तेजी से चल रहा है। वापी से वडोदरा तक के 237 किमी रूट में चार स्टेशन बनेंगे। इनमें वापी, बिलिमोरा, सूरत एवं भरूच शामिल हैं। सूरत में एक डिपो, 14 रिवर क्रॉसिंग, 42 रोड क्रॉसिंग और 6 रेलवे क्रॉसिंग के साथ भरूच-वडोदरा के बीच 350 मीटर लंबी सुरंग भी बनाई जाएगी। गुजरात में बुलेट ट्रेन के निर्माण के लिए 1396 हेक्टेयर जमीन में से 1035 हेक्टेयर जमीन प्राप्त हो चुकी है। यह कुल जमीन का 74 प्रतिशत हिस्सा है। महाराष्ट्र में जमीन का 25 प्रतिशत हिस्सा अधिग्रहण करने की प्रक्रिया चल रही है।

वापी से वडोदरा रूट पर वलसाड से सूरत के बीच अलाइनमेंट का काम चल रहा है।

2024 तक पूरा करना है 237 किमी रूट | 26 नवंबर 2020 को वापी-वडोदरा रूट के निर्माण की डेडलाइन चार वर्ष तक की गई थी। यह नवंबर 2024 में पूरी होगी। अधिकारियों ने बताया कि सूरत और आसपास पाइल टेस्टिंग होने के बाद अब रिपोर्ट स्टडी होगी। उसके बाद पाइल कैप और फाउंडेशन बनाने का काम शुरू होगा। उसके साथ ही पिलर भी बनने शुरू हो जाएंगे। इस प्रक्रिया में लगभग दो महीने लगेंगे। जापान से स्पेशलिस्ट की टीम आएगी जो वर्क मॉनिटरिंग करेगी।

बुलेट ट्रेन के ये काम पूरे हुए

600 लोकेशन पर जियोटेक्निकल टेस्ट

04 लोकेशन पर टेस्ट पाइल कास्टिंग

27 लोकेशन पर पाइलिंग वर्क पूरा

10 लोकेशन पर ओपन पाइल फाउंडेशन वर्क पूरा

अधिकारी लगातार कर रहे हैं काम की मॉनिटरिंग

*कोरोना की दूसरी लहर के कारण काम की गति धीमी पड़ गई थी। हालांकि अब कोरोना की रफ्तार धीमी पड़ गई है, जिससे बुलेट ट्रेन के निर्माण कार्य में तेजी आई है। सूरत, नवसारी, वलसाड, भरूच की 90% जमीन हमने ठेकेदारों को सौंप दी है। एनएचएसआरसीएल के अधिकारी लगातार काम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। -**सुषमा गौड़**, एजीएम, एनएचएसआरसीएल*

फ्रेट कॉरिडोरः ट्रैक के लिए बाधा बने वलसाड के आरओबी को तोड़ा

सूरत | पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य तेजी से किया जा रहा है लेकिन इसके सूरत -वैतरणा के 210 किमी सेक्शन का काम वलसाड के आरओबी के कारण पा्रभावित हो रहा था। जिसका समाधान शनिवार को कर लिया गया। वलसाड का यह आरओबी मुंबई -दिल्ली हाईवे से जुड़ा था। डीएफसी द्वारा इस चुनौती भरे रोड़ा को हटा दिया गया। आरओबी के हिस्से को बीच से काट दिया गया है और ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया है। इस कटे हुए हिस्से के बीच से फ्रेट कॉरिडोर की दोनों लाइन निकलेंगी। डीएफसी द्वारा इनके बीच स्थाई फाउंडेशन पिलर बनाकर इसे ब्रिज का आकार दे दिया गया। सूरत -वैतरणा सेक्शन के डिप्टी परियोजना प्रबंधक अरविन्द नागर ने बताया कि इस आरओबी को बीच से काट कर रेल मार्ग के लिए जगह बना ली गई है और आरओबी को पिलर फाउंडेशन देकर फिर से तैयार किया जा रहा है। फ्रेट कॉरिडोर के सूरत -वैतरणा सेक्शन का कार्य अब तेजी से किया जाएगा।